

शिक्षा टि. मुख्यतः पाँचवी कक्षा से 10वीं या 11वीं कक्षाओं तक दी जाने वाली शिक्षा secondary. education

माध्यस्थ पुं. (तत्.) 1. मध्यस्थ, बिचवई 2. मध्यस्थता 3. दलाल 4. प्रेमी और प्रेमिका का दूतत्व करने वाला व्यक्ति 5. विवाह कराने वाला ब्राह्मण, बरेखी।

माध्याकर्षण पुं. (तत्.) भौति. विज्ञान में यह तत्व या सिद्धांत कि पृथ्वी और उसके चारों ओर के आकाश या वातावरण में जितने पदार्थ हैं, वे सब पृथ्वी के केंद्र की ओर आकृष्ट होते हैं-पृथ्वी का मध्यभाग या केंद्र उन्हें अपनी ओर आकृष्ट करता है, प्रत्येक पदार्थ गिरने पर पृथ्वी की ओर आकृष्ट होता है, वह इसी माध्याकर्षण का परिणाम है gravity

माध्याह्निक पुं. (तत्.) ठीक माध्याह्न के समय किया जाने वाला धार्मिक कृत्य।

माध्व वि. (तत्.) 1. मधुनिर्मित 2. वसंत-संबंधी पुं. 1. विष्णु 2. कृष्ण 3. वसंत 4. वैशाख 5. मध्वाचार्य द्वारा चलाया हुआ एक वैष्णव संप्रदाय 6. महुए का पेड़ 7. काला मूँगा।

माध्वक पुं. (तत्.) महुए की शाखा।

माध्विक पुं. (तत्.) वह जो मधु-मक्खियों के छत्तों में से शहद इकट्ठा करने का काम करता हो।

माध्वी स्त्री. (तत्.) 1. एक तरह की लता जिसमें सुगंधित फूल लगते हैं, माध्वी लता 2. महुए की शराब 3. मदिरा, शराब 4. पुराणानुसार एक नदी का नाम 5. मधुर कंटक नामक मछली 6. वाम नामक छंद।

माध्वीक पुं. (तत्.) 1. महुए की शराब 2. दाख की शराब 3. मकरंद 4. सेम।

माध्वीका स्त्री. (तत्.) सेम।

मानःशिल वि. (तत्.) 1. मनःशिला या मैनशि संबंधी 2. मैनसिल के रंग में रंगा हुआ।

मान पुं. (तत्.) 1. प्रतिष्ठा, सम्मान, इज्जत मुहा. (किसी का) मान रखना-ऐसा काम करना जिससे कि प्रतिष्ठा बनी रहे 2. अपनी प्रतिष्ठा या सम्मान अथवा गौरव का उचित अभिमान या

ध्यान, आत्म-गौरव या आत्मप्रतिष्ठा का मन में रहने वाला भाव या विचार 3. अनुचित और निंदनीय रूप में होने वाला अभिमान, घमंड, शेखी 4. मन में होने वाला विकार जो अपने प्रिय व्यक्ति को अनुचित तथा अपेक्षासूचक आचरण करते हुए देखकर होता है, और जिसके फलस्वरूप उस व्यक्ति के प्रति उदासीनता होने लगती है, रूठने की क्रिया या भाव मुहा. मान 5. मापने या नापने की क्रिया या भाव 6. मापने या नापने पर ज्ञात होने वाला परिमाण 7. वह मानक दंड या पात्र जिसके द्वारा कोई चीज तौली या नापी जाती है जैसे- गज, सेर आदि 8. ऐसा काम या बात जिससे कोई चीज या बात प्रमाणित अथवा सिद्ध हो जाती हो 9. तुल्यता, समानता 10. किसी काम या बात के संबंध में ऐसी योग्यता या शक्ति जिससे वह काम या बात पूरी उतर सके या उस पर ठीक तरह से वश चल सके प्रयो. यह काम उनके मान का नहीं है, अर्थात् इस काम के लिए जिस योग्यता या शक्ति की अपेक्षा है, उसका उनमें अभाव है 11. पुष्कर द्वीप का एक पर्वत 12. उत्तर दिशा का एक देश 13. मंत्र 14. संगीत शास्त्र के अनुसार ताल का विराम जो सभ, विषम, अतीत और अनागत चार प्रकार का होता है।

मानक पुं. (तत्.) विशिष्ट वस्तुओं के आकार, प्रकार, महत्व आदि जाँचने का कोई आधिकारिक आदर्श, मानदंड या रूप।

मानक समय पुं. (देश.) दिन-रात आदि के समय का वह विभाजन जो किसी क्षेत्र या देश में आधिकारिक रूप से माना जाता हो।

मानकित पुं. (देश.) मानक के रूप में किया या लाया हुआ।

मानकीकरण पुं. (तत्.) एक ही प्रकार या वर्ग की बहुत सी वस्तुओं के गुण, महत्व आदि का एक मानक रूप स्थिर करने की क्रिया या भाव।

मानगृह पुं. (तत्.) प्राचीन राजमहलों में वह कमरा जिसमें राजा से रूठी हुई रानी मान करके बैठती थी काव्य. साहित्य में वह स्थान, जहाँ पर नायिका मान करके बैठी हुई हो।